



SN – 115

**III Semester B.Com. Examination, November/December 2013**  
**(Semester Scheme)**  
**(2010-11 and Onwards ) (F+R)**  
**HINDI LANGUAGE (Paper – III)**  
**Upanyas, Nibandh, Sankshiptikaran**

Time : 3 Hours

Max. Marks : 90/100

**Instructions :** 1) Question No. VI is compulsory for 2012-13 and onwards batch.

2) 100 marks for Fresh student of 2012-13 batch and onwards.

3) 90 marks for Repeaters prior to 2012-13.

- I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द वाक्यांश या वाक्य में लिखिए : (1×10=10)
- 1) सधन को नौकरी के लिये कहाँ से बुलावा आया था ?
  - 2) मजीठिया का बेटा केनैडा में कौन-सा कोर्स कर रहा था ?
  - 3) रेखा द्वारा लिखित कितनी कहानियाँ स्टैला ने फ्लॉपी पर उतार दी थी ?
  - 4) जन-कल्याण समिति, कॉलोनी में कौन-से पाठ का आयोजन करती थी ?
  - 5) 'दौड़' उपन्यास की लेखिका का नाम क्या है ?
  - 6) सरल मार्ग का कैम्प राजकोट से कितने मील दूर था ?
  - 7) डिमैलो कॉर्पोरेशन किस गैस-कंपनी को कम्प्यूटर सप्लाय करती थी ?
  - 8) इलाहाबाद से अहमदाबाद की दूरी कितने कि.मी. है ?
  - 9) पन्द्रह हजार दर्शकों के बैठने का इन्तजाम कहाँ किया गया था ?
  - 10) निकिता की बेटी का नाम क्या है ?
- II. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×14=28)
- 1) 'दौड़' उपन्यास में आये नारी पात्रों में से रेखा और राजुल का चरित्र-चित्रण सविस्तार लिखिए ।
  - 2) 'दौड़' उपन्यास का सारांश लिखिकर उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
  - 3) "केवल अर्थशास्त्र से जीवन नहीं कटता पवन, उसमें थोड़ा दर्शन और अध्यात्म और देर-सी संवेदना भी पनपनी चाहिए". इस कथन के आधार पर राकेश की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.



III. किसी दो विषय पर टिप्पणी लिखिए : (2×7=14)

- 1) पवन और शरद जैन का वार्तालाप ।
- 2) स्वामी कृष्ण स्वामी का चरित्र चित्रण ।
- 3) भूषण का चरित्र चित्रण ।

IV. किसी दो विषय पर निबंध लिखिए : (2×14=28)

- 1) कर ।
- 2) सहकारिता ।
- 3) भारतीय संविधान ।

V. निम्नलिखित परिच्छेद का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई में संक्षेपण कीजिए : 10

औद्योगीकरण की कोई भी योजना तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक कि हम उसमें कुटीर उद्योगों को महत्वपूर्ण स्थान न दें । कारण स्पष्ट है । हमारी नागरिक अर्थव्यवस्था में ग्रामीण अर्थव्यवस्था अधिक महत्व रखती है । जब तक हम अपनी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारने का प्रयत्न नहीं करते, तब तक राष्ट्र निर्माण के हमारे सारे कार्य अधूरे रहेंगे । गाँवों में शहरों के समान बृहतकाय-उद्योगों के पनपने की सुविधाएँ नहीं हैं । न वहाँ यातायात औरत परिवहन के साधनों की, न शक्ति के साधनों की सुविधाएँ हैं और न उपयुक्त मात्रा में पूँजी का ही संगठन संभव है । गाँवों के वर्तमान वातावरण में कुटीर उद्योगों के ही समृद्ध होने की संभावना है ।

**Note : Compulsory question for 2012-13 & onwards batch.**

**10**

**सूचना : 2012-13 एवं 2013-14 विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य प्रश्न :**

VI. किसी एक का चरित्र-चित्रण कीजिए :

- 1) रोजविन्दर ।
- 2) सधन ।

---